

भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2578

19 दिसंबर, 2023 को उत्तरार्थ

विषय: नैनो यूरिया संयंत्र

2578. श्री राजेन्द्र अग्रवाल:

श्री श्रीधर कोटागिरी:

श्री ज्ञानेश्वर पाटिल:

श्री घनश्याम सिंह लोधी:

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2022 में दुनिया के पहले संयंत्र के उद्घाटन के बाद देश में वर्तमान में अस्तित्व में आने वाले परिचालन नैनो यूरिया (तरल) संयंत्रों का ब्यौरा क्या है; और

(ख) उक्त तकनीकी नवाचार देश में किसानों और कृषि क्षेत्र को क्या लाभ प्रदान करते हैं?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री अर्जुन मुंडा)

(क): इफको ने कलोल (गुजरात), फूलपुर (उत्तर प्रदेश) और आंवला (उत्तर प्रदेश) में तीन नैनो यूरिया संयंत्र स्थापित किए हैं, जिनकी कुल उत्पादन क्षमता 17 करोड़ बोतल (500 मिलीलीटर) प्रतिवर्ष है। इसके अतिरिक्त, रे नैनो विज्ञान एवं अनुसंधान केन्द्र ने आणंद, गुजरात स्थित अपने नैनो यूरिया संयंत्र के वाणिज्यिक उत्पादन की भी घोषणा की है जिसकी क्षमता 4.5 करोड़ बोतल प्रति वर्ष है।

(ख): आईसीएआर अनुसंधान संस्थानों/राज्य कृषि विश्वविद्यालयों ने विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्रों में धान, गेहूं, सरसों, मक्का, टमाटर, गोभी, खीरा, शिमला मिर्च और प्याज जैसी विभिन्न फसलों पर नैनो यूरिया का परीक्षण किया है।

फसल की उपज और मृदा पर नैनो यूरिया (तरल) के प्रभाव पर अध्ययन करने से यह संकेत मिलता है कि नैनो-यूरिया का उपयोग सामान्य यूरिया के बजाय टॉप-ड्रेसिंग के लिए फोलियर स्प्रे के रूप में किया जा सकता है। यूरिया की अनुशंसित खुराक के बेसल अनुप्रयोग के साथ-साथ नैनो यूरिया के फोलियर अनुप्रयोग से पारंपरिक उर्वरक अनुप्रयोग की तुलना में 3-8% का उपज लाभ होता है।
